हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दयालु आलिया
अभिनेत्री आलिया भट्ट ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये पशु कल्याण के लिए धन जुटाएंगी।

मंगलवार, 20 अगस्त 2019, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 24, अंक 194, 24 पेज, मूल्य ₹ 4.00, भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, पंचमी, विक्रम सम्वत् 2076

2030 तक स्वच्छ ऊर्जा से सुधरेगा पर्यावरण

दि इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियर्स भवन में रविवार को आयोजित व्याख्यान का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

जिस तेजी से अक्षय ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ा है उससे वर्ष 2030 तक भारत को न सिर्फ गैर प्राकृतिक ऊर्जा से मुक्ति मिलने की उम्मीद है, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण की स्थिति में भी तेजी से सुधार होने की संभावना है।

ये बातें वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. भरतराज सिंह ने सोमवार को दि इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियर्स में आयोजित व्याख्यान में कही। 'भारत में 2030 तक ऊर्जा स्वतंत्रता के लिये अक्षय ऊर्जा का उपयोग' पर आयोजित कार्यक्रम में वह मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 तक केन्द्र सरकार ने 175 गीगा वाट अक्षय उर्जा राष्ट्रीय ग्रिड में भेजने की योजना बनाई है। इसमें सौर ऊर्जा से 100 गीगा-वाट, पवन ऊर्जा से 50 गीगा-वाट और मिनी-हाइड्रो और बायोमास, बायोगैस आदि से 25 गीगा-वाट ऊर्जा शामिल है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा से भारतीय अर्थव्यवस्था में कई गुना बदलाव होगा। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष आरके त्रिवेदी, पूर्व अध्यक्ष वीबी सिंह, सचिव प्रभात किरण चौरसिया आदि मौजूद थे।